CBSE Test Paper 02
Ch-3 साँवले सपनों की याद

1. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**
   डी०एच० लॉरेंस की मौत के बाद लोगों ने उनकी पत्नी फ्रीड़ा लॉरेंस से अनुरोध किया कि वह अपने पति के बारे में कुछ लिखे। फ्रीडा चाहती तो ढेर सारी बातें लॉरेंस के बारे में लिख सकती थी। लेकिन उसने कहा-मेरे लिए लॉरेंस के बारे में कुछ लिखना असंभव-सा है। मुझे महसूस होता है, मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती हैं। मुझसे भी ज़्यादा जानती है। वो सचमुच इतना खुला-खुला और सादा-दिल आदमी था। मुमकिन है, लॉरेंस मेरी रगों में, मेरी हड्डियों में समाया हो। लेकिन मेरे लिए कितना कठिन है, उसके बारे में अपने अनुभवों को शब्दों का जामा पहनाना। मुझे यकीन है, मेरी छत पर बैठी गोरैया उसके बारे में और हम दोनों ही के बारे में, मुझसे ज़्यादा जानकारी रखती है।

   i. डी०एच० लॉरेंस कौन थे? गद्यांश के आधार पर उनकी विशेषताएँ लिखिए।
   ii. फ्रीडा ने लॉरेंस के बारे में कुछ लिखने से इनकार क्यों कर दिया?
   iii. 'शब्दों का जामा पहनाने'का आशय क्या है?

2. किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना दिया?

3. सालिम अली चौधरी चरण सिंह से मिलने क्यों गए थे?

4. 'साँवले सपनों की याद' शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए।

5. वृंदावन की ‘संध्या' अन्य स्थानों की संध्या से किस प्रकार भिन्न बताई गई है? ‘साँवले सपनों की याद’ -पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

6. ‘साँवले सपनों की याद' पाठ के आधार पर सालिम अली के किन्हीं दो गुणों का उल्लेख कीजिए।

CBSE Test Paper 02
Ch-3 साँवले सपनों की याद
Answer

1. i. डी०एच० लॉरेंस अंग्रेज़ी भाषा के कवि एवं उपन्यासकार थे। लॉरेंस खुले विचारों वाले सीधे-सादे इंसान थे। वे भी सालिम अली की भाँति प्रकृति और पक्षी प्रेमी थे। उनके इसी लगाव को देखते हुए उनकी पत्नी फ्रीडा ने कहा था कि मुझसे (फ्रीडा से) ज़्यादा तो मेरी छत पर बैठने वाली गोरैया उनके बारे में जानती हैं।
   ii. फ्रीड़ा ने लॉरेंस के बारे में इसलिए लिखने से इनकार कर दिया क्योंकि लॉरेंस पक्षियों से अत्यंत लगाव रखते थे। उनका अधिकतर समय पक्षियों के साथ प्रकृति की छाया में बीतता था इसलिए उनकी पत्नी उनके बारे में उतना नहीं जानती थी जितना कि उनकी छत पर बैठने वाली गौरैया जानती है।
   iii. 'शब्दों का जामा पहनाने' का आशय है-किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व, गुण या अन्य किसी अनुभव को शब्दों के माध्यम से लिखकर अभिव्यक्त करना।
2. बचपन में खेल-खेल में सालिम अली की एअरगन से नीले कंठवाली एक गौरैया घायल होकर गिर पड़ी। घायल गोरैया को देख उनका मन द्रवित हो गया। इस घटना ने उनके जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्होंने अपना सारा जीवन पक्षियों की सुरक्षा और सेवा के लिए समर्पित कर दिया |
3. सालिम अली पक्षी प्रेमी होने के साथ प्रकृति प्रेमी भी थे। पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर भी वे चिंतित रहते थे। केरल की ‘साइलेंट वैली’ की रेगिस्तानी हवा के झोंकें पक्षियों के लिए जानलेवा थे। वे उन्हें इससे बचाना चाहते थे। इस कार्य को वे अकेले नहीं कर सकते थे। अपनी इसी समस्या को लेकर वे तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह से मिले थे। वे जानते थे कि उनसे उन्हें सहायता अवश्य मिलेगी।
4. 'सांवले सपने' प्रसिद्ध पक्षी प्रेमी सालिम अली की मनमोहक इच्छाओं का प्रतीक है। वे जीवन भर पक्षियों की सुरक्षा और खोज के सपनों में खोए रहे। उनका सपना था पक्षियों के बारे में अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करना, जिसे वे आजीवन सच करने में लगे रहे और इसे साकार भी किया इसलिए आज उनके न रहने पर लेखक को उन सांवले सपनों की याद आती है जो सालिम अली की आँखों में मृत्युपर्यंत तक बसे हुए थे। स्मरण में लेखक ने प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी सालिम अली के व्यक्तित्व एवं मुख्यतः उनके पक्षी प्रेम का वर्णन किया है। अतः पाठ का यह शीर्षक सार्थक तो है पर गहरा रहस्यात्मक है।
5. वृन्दावन की संध्या निश्चित ही अन्य स्थानों की संध्या से भिन्न है क्योंकि वृन्दावन की संध्या' में श्री कृष्ण से संबंधित यादें निहित हैं। वहाँ जाकर ऐसा लगता है कि कृष्ण तो यहीं कहीं हैं और पता नहीं कब किस गली से निकलकर मुरलीवादन शुरू कर देंगे। उनकी मुरली की मधुर तान को सुनकर सभी उनकी ओर खिंचे चले आएँगे। अन्य स्थानों की संध्या से ऐसी कोई भी याद नहीं जुड़ी है।
6. ‘साँवले सपनों की याद’ पाठ के आधार पर सालिम अली के दो गुण निम्नलिखित हैं-
   i. बर्ड वाचर और पक्षी प्रेमी - सालिम अली प्रसिद्ध बर्ड वाचर तो थे ही इसके साथ-साथ ही वे उनके बारे में दुर्लभ जानकारी एकत्रित करते रहते थे और उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक थे।
   ii. प्रकृति प्रेमी - पक्षी प्रेमी होने के साथ ही वे प्रकृति से भी लगाव और स्नेह रखते थे इसलिए केरल की साइलेंट वैली को बचाने के लिए वे तत्कालीन प्रधानमंत्री से भी मिले।